





384/12

000168/12

संज्ञा no: 32804 19-X12



राजेश कुमार  
द्वितीय कक्षा  
जी.का.डी. कार्यालय  
सिमडेगा  
व्यय  
8000

Nr  
5000 x 1 = 5000  
500 x 6 = 3000  
कुल - 8000



राजेश कुमार  
26/10/2012



26.10-12 10 to 1

व्यय  
व्यय  
व्यय  
व्यय  
व्यय



व्यय  
व्यय  
व्यय  
व्यय  
व्यय

26-10-12





--2--

§2§ लेख्यधारी:- श्री राजेश कुल्लू पिता श्री हिलारियुस कुल्लू  
जाति- खाड़िया, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- जोकारी  
फुलवाटांगर, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेता ।

शमथ-पत्र संख्या:- 597/2012

§3§ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र/पुत्रादिक  
सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिंग दो लाख रुपये अर्के 2,00,000/- रुपये  
होता है ।

§5§ सम्पत्ति:- सराजियात अन्दर मौजा- गोतरा भुंडुटोली,  
थाना- सिमडेगा, थाना नं० 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो  
जिला- सिमडेगा के छाता नं० 57 §सततावन, प्लॉट नं० 4737  
§सैतालिस सौ सैतीस§ रकबा 0.10 एकड़ §दस डिसमिल§ आवासीय  
जमीन, जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।  
जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- इसी प्लॉट में छोड़ा गया 5 फीट का कच्चा रास्ता,  
दक्षिण:- इसी प्लॉट में छोड़ा गया 5 फीट का कच्चा रास्ता,  
पूरब :- प्रेम खेसस का खरीदगी इसी प्लॉट का अंश,  
पश्चिम:- हाल खरीदगी तारसिसिया केरकेट्टा का जमीन ।  
मालगुजारी 4 पैसा §चार पैसा§ अलावे सेस सलाना ।

बोध- 22 पिता स्वः काशम 22  
स स व देगा थावा सिमडेगा  
प्रेता सिमडेगा 26/10/2012

लिखा 26/10/2012  
26/10/2012





--3--

§1§ चूँकि मुझ लेख्यकारी को मकान बनाने एवं अन्य दीगर धरेलू छर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

§2§ इसलिये मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर छाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन खरीदगी है जिसे मेरी दादी सुसाना तोपनो ने निर्बंधित केवाला संख्या 91 दिनांक 27.2.41 के द्वारा हासिल की है । मालगुजारी रसीद मेरी दादी सुसाना तोपनो के नाम से कटता है । मेरी दादी एवं पिता की मृत्यु हो चुकी है । उनकी मृत्यु के बाद जमीन का आपसी मौखिक बँटवारा हमलोगों के बीच हो चुका है । जो जमीन मैं बेच रहा हूँ मेरे निज हिस्से की जमीन है जिसपर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का ताल या बंधन नहीं है ।

26/10/2012





--4--

§4§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 77/2012-13 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 08.10.12 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं० 1004§ii§ दिनांक 08.10.12 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेख्यधारी अपनी जमीन पर काविज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

उक्त बिक्री की जानेवाली जमीन भू-हदबंदी, कैसरे हिन्द, खास महल, सैरात, लीज, भू-दान, बंदोवस्ती, गैर मजरुआ के तहत नहीं है ।

26/10/2012  
26/10/2012



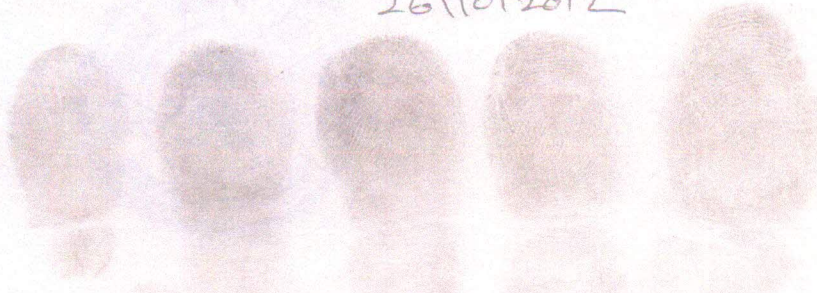


--5--

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

रजेश कुल्लु  
26/10/2012

26/10/12  
रजेश कुल्लु



प्रमाणित किया जाता है कि निम्न उल्लेखित जमीन व अन्य बांधे  
बांधे बांधे के बांधे अन्तर्गत में बांधे के बांधे है।  
Rajesh Kullu  
26.10.12

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

Rajesh Kullu  
26.10.2012



प्रमाणित किया जाता है कि निम्न उल्लेखित जमीन व अन्य बांधे  
बांधे बांधे के बांधे अन्तर्गत में बांधे के बांधे है।  
Rajesh Kullu



500Rs.



--6--

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- *[Signature]*  
26.10.12  
प्रारूपकर्ता  
तारीख:-

*[Signature]*  
26/10/2012



500Rs.



--7--

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल सात पृष्ठों में कुल 612 शब्द टंकित हैं जो छण्डन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक  
श्री० मकसुद  
२६-१०-२०१२  
श्री० मकसुद  
कचहरी परिसर,  
सिमडेगा ।

श्री० मकसुद  
२६/१०/२०१२